हरिभूमि
सीहोर भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, गुरुवार 27 अगस्त 2026
सीहोर | भैरूंदा | रेहटी | इछावर | कोठरी | श्यामपुर | शाहगंज | कालापीपल | जावर

04 लापरवाही: कई स्थानों पर सड़क जर्जर हालत में...



07 सिविल अस्पताल में डॉक्टरों की मनमानी से क्षेत्र की जनता...



खबर संक्षेप

मानसिक स्वास्थ्य कार्यशाला आयोजित

सीहोर। जिले खेड़ली स्थित एक्सीलेंस कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन एवं जागरूकता प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में बढ़ते आत्महत्या के मामलों की रोकथाम करना तथा शिक्षण संस्थाओं में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता स्थापित करना था। कार्यशाला में प्राचार्य डॉ. रोहिताश्व कुमार शर्मा ने शैक्षणिक संस्थाओं में सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य वातावरण निर्माण के बारे में जानकारी दी। इस दौरान विधि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राजकुमार साहू और डॉ मनोज कुमार शर्मा उपस्थित थे।

कांवड़ यात्रा के संचालन पर कलेक्टर ने दी बधाई

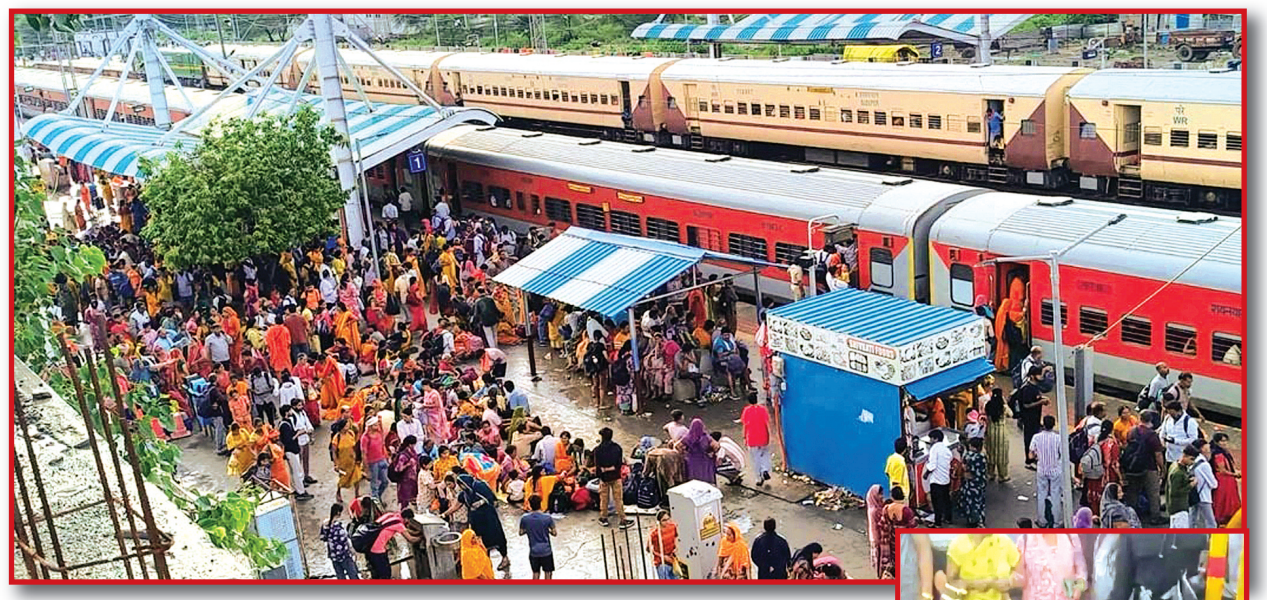
सीहोर। कलेक्टर बालागुरु के. ने 25 अगस्त को सीवन नदी घाट से कुबरेश्वर धाम तक कांवड़ यात्रा के सुरक्षित एवं सफल संचालन पर कावड़ यात्रा में तैनात सभी अधिकारी-कर्मचारियों और पुलिस बल को बधाई दी। उन्होंने यात्रा के दौरान व्यवस्थाओं में जुटे सभी अधिकारी-कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की। कलेक्टर ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी विभागों ने आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। पुलिस बल द्वारा सुरक्षा, यातायात एवं कानून-व्यवस्था की व्यवस्थाओं को प्रभावी ढंग से संभाला गया। विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी लगातार व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहे। कलेक्टर ने कहा कि सभी के समन्वित प्रयासों से कांवड़ यात्रा सुचारू एवं सुरक्षित रूप से संपन्न हुई।

दुर्घटनाओं से बचने एडवाइजरी की जारी

सीहोर। आकाशीय बिजली यानि वज्रपात से बचाव के लिए स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग ने जन समुदाय के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आम-जन इन निर्देशों को अपनाकर आकाशीय बिजली से सुरक्षा और बचाव किया जा सकता है। आकाशीय बिजली या वज्रपात से आउटडोर यथा बाहरी गतिविधियों में शामिल लोग जैसे खेतों, औद्योगिक स्थानों, निर्माण और सामग्री हैंडलिंग वाले स्थलों पर काम करने वाले लोग सर्वाधिक संवेदनशील होते हैं। आकाशीय बिजली किसी भी समय गिर सकती है वर्षाकाल मानसून जुलाई में अधिक होती है। दोपहर और सायंकाल के बीच वज्रपात की घटनाएं सर्वाधिक देखी जाती हैं। जारी निर्देश में कहा गया है कि ऊंची नुकीली संरचनाओं, पेड़ों पर आकाशीय बिजली गिरने की अधिक संभावना होती है। ऐसे स्थानों से दूर रहने की सलाह दी गई है। धातु का मचान, धातु के उपकरण, पानी के पाइप या प्लंबिंग, बिजली का संचालन करने वाली सामग्री अथवा सतहों के संपर्क से बचें। बारिश के मौसम में अपने आप को सुरक्षित रखे।

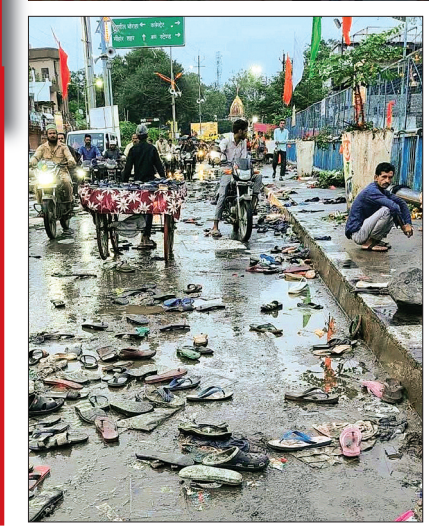
‘अगले बरस फिर आएंगे’ के संकल्प के साथ सीहोर से विदा हुए लाखों शिवभक्त

दूसरे दिन देर रात तक शिवभक्तों का दिखा महासैलाब, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड पर दिन भर उमड़ती रही श्रद्धालुओं की भीड़











सीहोर से भोपाल तक 40 किलोमीटर के सफर में नजर आए बड़ी संख्या में ऑटो। -एएसपी डॉ. चौबे बोले: सावन के महीने भर में आए 30 लाख से अधिक श्रद्धालु।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

आस्था, श्रद्धा और अटूट भक्ति का अद्भुत संगम बने धार्मिक शहर सीहोर शहर से अब लाखों कांवड़िए अगले बरस फिर आएंग, का संकल्प लेकर अपने-अपने गंतव्यों की ओर लौटने लगे हैं। कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के सानिध्य में मंगलवार को सीवन नदी के पवित्र तट से कुबेरेश्वर धाम तक निकाली गई भव्य कांवड़ यात्रा के बाद भी पूरा क्षेत्र शिवमय बना हुआ है। कांवड़ यात्रा के समापन के घंटों बाद भी सीहोर से लेकर भोपाल तक श्रद्धालुओं का महासैलाब उमड़ता रहा। हर चेहरे पर थकान से अधिक भोलेनाथ की भक्ति का संतोष और अगले साल पुनः आने का उत्साह साफ झलक रहा था। बता दें कांवड़ यात्रा का औपचारिक समापन मंगलवार दोपहर 3 बजे कुबेरेश्वर धाम पर हुआ था, लेकिन इसके बाद भी अगले दिन बुधवार देर रात तक सीहोर और भोपाल के बीच लगभग 40 किलोमीटर के मार्ग पर श्रद्धालुओं की भारी चहल-पहल बनी रही। सीहोर से भोपाल के बीच सैकड़ों की संख्या में चलते ऑटो और अन्य वाहनों की कतार किसी चलती हुई ट्रेन जैसी नजर आ रही थी। देश के कोने-कोने से आए श्रद्धालु कुबेरेश्वर धाम में दर्शन के उपरांत सीधे भोपाल और सीहोर के रेलवे स्टेशन एवं बस स्टैंड पहुंचे। रेलवे स्टेशन पर भक्तों की अप्रत्याशित भीड़ को देखते हुए कई ट्रेनों को विशेष स्टॉपेज दिए गए थे। इसके बावजूद सामान्य से लेकर रिजर्वेशन कोच तक में शिवभक्तों को जहां जगह मिलीए वे वहीं सवार होकर रवाना हुए। बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों पर पूरे दिन केवल भोलेनाथ के जयकारे ही गूंजते रहे।

1200 पुलिस के जवानों की मुस्तैदी से शून्य अप्रिय घटना

लाखों की भीड़ और व्यापक व्यवस्थाओं को नियंत्रित करने के लिए जिला व पुलिस प्रशासन ने अभूतपूर्व सुरक्षा इंतजाम किए थे। पुलिस अधीक्षक सोनाक्षी सक्सेना एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे के कुशल मार्गदर्शन में 1200 पुलिसकर्मियों की टीम शहर से लेकर धाम तक मुस्तैद रही। इसमें 400 स्थानीय पुलिस बल के साथ-साथ अन्य जिलों से बुलाए गए 800 विशेष जवान शामिल थे। पुलिस दक्षता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इतने बड़े आयोजन के दौरान एक छोटी सी बाइक दुर्घटना तक नहीं हुई और कोई भी अप्रिय घटना दर्ज नहीं की गई। आम यात्रियों की सुविधा के लिए इंदौर-भोपाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर ट्रैफिक डायवर्ट किया गया था और वाहनों के लिए शहर के बाहरी हिस्सों में बड़े पार्किंग स्थल बनाए गए थे।

सीपीआर देकर बचाई श्रद्धालु की जान

सुरक्षा व्यवस्था संभालने के साथ-साथ सीहोर पुलिस ने इंसानियत की भी अनोखी मिसाल पेश की। अमलाहा डायवर्सन पॉइंट पर ड्यूटी के दौरान जवानों ने देखा कि उत्तर प्रदेश का एक श्रद्धालु अचानक अचेत होकर सडक़ पर गिर पड़ा। व्यक्ति को कार्डियक अरेस्ट के लक्षण महसूस होते ही जवानों ने बिना एक पल गंवाए उसे तुरंत सीपीआर देना शुरू किया। लगातार दिए गए सीपीआर से पीड़ित की सांसें और धडक़नें वापस लौट आईं। इसके तुरंत बाद उसे एम्बुलेंस से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आष्टा भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उसका इलाज किया। हालत सामान्य होने पर उसे सुरक्षित परिजनों को सौंप दिया गया। इस सराहनीय कार्य में डीएसपी राजू सिंह बघेल, उप निरीक्षक अनिल डोडियार, आरक्षक शुभम मेवाड़ा, देवेंद्र राजपूत, गजेंद्र, अमित और राघवेंद्र की सजगता ने एक नागरिक को नया जीवन दिया।

300 से अधिक नगर पालिका के कर्मचारी स्वच्छता अभियान में जुटे

विशाल आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नगर पालिका सीहोर ने सीवन नदी तट पर जल भरने हेतु 600 नल लगाए थे। यात्रा समाप्त होने के बाद अब शहर को वापस सामान्य स्थिति में लाने के लिए नगर पालिका के 300 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी सफाई अभियान में जुटे हुए हैं। स्वच्छता बनाए रखने के लिए दर्जनों कचरा वाहनों और सफाईकर्मियों की टीमों को लगातार तैनात रखा गया है।

सीहोर आए 30 लाख श्रद्धालु

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे ने बताया कि सावन के पूरे महीने में देश भर से करीब 30 लाख श्रद्धालु सीहोर आए और कांवड़ में जल भरकर भगवान को अर्पित किया। एएसपी ने बताया कि पुलिस और प्रशासन की प्लानिंग कारगर रही। इस दौरान हाईवे पर कॉरिडोर बनाया गया था, जिसकी वजह से एक भी दुर्घटना घटना घटित नहीं हुई। डायवर्जन प्लान पर भी पूरी तरह से अमल किया गया। एएसपी ने बताया कि बाहर से आया पुलिस बल भी अब रवाना हो चुका है।

बाल विवाह के खिलाफ वीएसडब्ल्यूओ की अनूठी पहल, धर्मगुरुओं को दिलाई शपथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



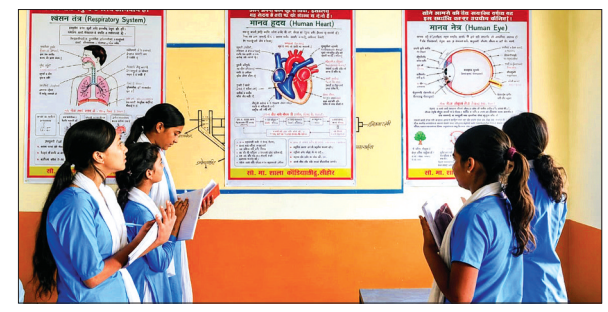
बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के खिलाफ जेआरसी सहयोगी संस्था विदिशा सोशल वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन, जिला सीहोर द्वारा लगातार प्रभावी जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। संस्था ने अब इस मुहिम में धर्मगुरुओं को भी सक्रिय रूप से जोडऩे की पहल की है, ताकि समाज में बाल विवाह रोकने का संदेश हर वर्ग तक पहुंच सके। अभियान के तहत ग्राम लसुडलिया परिहार में संस्था जिला प्रभारी सुमित गौर के मार्गदर्शन में सीएसडब्ल्यू दीपक राठौर, अर्जुन परमार ने मंदिर के पुजारी को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई। धर्मगुरु ने बाल विवाह का समर्थन न करने, समाज को इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।इस अवसर पर मंदिर परिसर में उपस्थित ग्रामीणों को भी बाल विवाह के खिलाफ सामूहिक शपथ दिलाई गई। संस्था की टीम ने ग्रामीणों को बाल विवाह से बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, भविष्य और सामाजिक जीवन पर पडऩे वाले गंभीर प्रभावों के बारे में जानकारी दी तथा बाल विवाह रोकने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। संस्था का संदेश स्पष्ट है कि बाल विवाह केवल एक परिवार की समस्या नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। धर्मगुरुओं, ग्रामीणों और समुदाय के अन्य गणमान्य नागरिकों को इस अभियान से जोडक़र वीएसडब्ल्यूओ द्वारा गांव-गांव में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता की मजबूत नींव तैयार की जा रही है।संस्था का यह निरंतर प्रयास बाल विवाह मुक्त समाज के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जिले में बारिश जारी, अगले 48 से 72 घंटे मध्यम से भारी बारिश के आसार

सीहोर। जिले में मानसूनी बारिश का दौर जारी है। बुधवार को दोपहर बाद करीब आधे घंटे तक तेज बारिश हुई। भू-अभिलेख विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 26 अगस्त तक जिले में औसतन 28.72 इंच वर्षा दर्ज की गई है। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि में हुई 32.01 इंच बारिश की तुलना में 3.29 इंच कम है। जिले की सामान्य औसत वर्षा 45.21 इंच है। बुधवार को जिले में औसतन 0.50 इंच बारिश हुई। इनमें भैरूंदा क्षेत्र में सबसे अधिक 1.77 इंच वर्षा दर्ज की गई। इसके अलावा सीहोर में 0.86 इंच, आष्टा और इछावर में 0.43-0.43 इंच, रेहटी में 0.29 इंच और श्यामपुर में 0.19 इंच बारिश हुई। वहीं, जावर और बुधनी में बारिश दर्ज नहीं की गई। मौसम विभाग के अनुसार, मध्य प्रदेश के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय है। इसके साथ ही मॉनसून ट्रफ लाइन मध्य भारत से गुजर रही है। बंगाल की खाड़ी से लगातार नमी आने के कारण जिले में रुक-रुककर मध्यम से तेज बारिश हो रही है। विभाग ने अगले 48 से 72 घंटों के दौरान जिले में बादलों की आवाजाही बने रहने के साथ मध्यम से भारी बारिश की संभावना जताई है। कुछ क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ तेज बौछारें भी पड़ सकती हैं। बारिश के चलते तापमान में गिरावट आने की संभावना है। लगातार बारिश होने पर जिले में वर्षा का आंकड़ा सामान्य औसत 45.21 इंच के और करीब पहुंच सकता है।

देखो, समझो और सीखो की अवधारणा से बच्चों को मिल रही रोचक और सहज शिक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



शासकीय माध्यमिक शाला कौड़ियाछीतू में विद्यार्थियों के सीखने की प्रक्रिया को अधिक रोचक, सरल एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से प्रधानाध्यापक संजय सक्सेना द्वारा शिक्षा की दीवार नाम से अभिनव शैक्षिक पहल शुरू की गई है। इस नवाचार का मूल उद्देश्य है पहले देखो, फिर समझो और फिर सीखो। इस नवाचार को प्रारंभ करने से पूर्व प्रधानाध्यापक संजय सक्सेना ने विद्यालय के शिक्षक साथियों शैलेंद्र सिंह, देवेंद्र चौहान, देवकरण मालवीय, शशिकला पांडे, फूलवती सेन, माधुरी जोशी एवं शशिवाला नामदेव के साथ बैठक कर विद्यार्थियों के लिए कक्षाओं की दीवारों को ज्ञानवर्धक एवं आकर्षक बनाने पर चर्चा की। बैठक में विद्यालय में उपलब्ध 120 से अधिक शैक्षिक चार्टों में से विद्यार्थियों के लिए उपयोगी एवं आकर्षक दो दर्जन से अधिक चार्टों का चयन कर उन्हें कक्षाओं की दीवारों पर प्रदर्शित करने का निर्णय लिया गया। शिक्षा की दीवार पर सामान्य ज्ञान, अंग्रेजी सीखने के सरल तरीके, विभिन्न विषयों के महत्वपूर्ण पाठ एवं अन्य उपयोगी शैक्षिक सामग्री प्रदर्शित की गई है। इसके साथ ही बच्चों को मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने वाली जानकारी भी आकर्षक ढंग से प्रदर्शित की गई है। विद्यालय की दीवारों पर प्रदर्शित यह शैक्षिक सामग्री विद्यार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। बच्चे कक्षा के दौरान एवं अवकाश के समय इन चार्टों को देखकर नई जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। इससे उनमें देखकर सीखने, समझने और जिज्ञासा के साथ ज्ञान अर्जित करने की प्रवृत्ति विकसित हो रही है। प्रधानाध्यापक संजय सक्सेना ने बताया कि इस नवाचार का उद्देश्य विद्यालय के वातावरण को ऐसा बनाना है, जहां विद्यालय की प्रत्येक दीवार बच्चों को कुछ नया सिखाए। उन्होंने कहा कि बच्चों को केवल पुस्तकों तक सीमित न रखते हुए दृश्य एवं व्यवहारिक माध्यमों से सीखने के अवसर उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है। विद्यालय स्टाफ ने इस नवाचार को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में उपयोगी पहल बताते हुए इसे निरंतर आगे बढ़ाने की बात कही। शासकीय माध्यमिक शाला कौड़ियाछीतू की यह पहल विद्यालय में नवाचार आधारित शिक्षण की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

वीआईटी विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई ने किया रक्तदान

शिविर में रक्तदान से जुड़ी आम भ्रांतियों को किया दूर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय के की एनएसएस इकाई द्वारा भोपाल के हमीदिया अस्पताल के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर में छात्र - छात्राओं ने उत्साह के वातावरण में लगभग 500 यूनिट से अधिक रक्त दान किया। दरअसल यह रक्तदान शिविर एनएसएस इकाई के मूल आदर्श मैं नहीं, बल्कि आप को चरितार्थ करता नजर आया। वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय के की एनएसएस इकाई द्वारा भोपाल के हमीदिया अस्पताल के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारम्भ वाइस चांसलर डॉ सतीश कुमार मोढ़ , प्रो-वीसी डॉ टी. बी. श्रीधरन, रजिस्ट्रार डॉ. ज्ञान प्रकाश मिश्रा, डायरेक्टर ऑपरेशंस डॉ. एस. प्रभाकर ने दीपप्रज्वलन कर किया। इस मौके पर एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ विनोद भट्ट , डॉ देवव्रत गुप्ता, सुश्री दीप्ति भोजवानी विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों का तिलक एवं एनएसएस बैज लगाकर स्वागत छात्र - छात्राओं ने किया। अतिथियों ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला, रक्तदान से जुड़ी आम भ्रांतियों को दूर किया तथा छात्रों को नियमित रक्तदान के माध्यम से जीवन बचाने हेतु योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। इस विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई शिविर में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसके परिणामस्वरूप 500 से अधिक यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। हमीदिया अस्पताल की ओर से रक्त बैंक सलाहकार सुश्री श्वेता वर्मा एवं डॉ. परीना कुरैशी ने समन्वयक के रूप में कार्य किया तथा सभी सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करा।

खबर संक्षेप

गायत्री परिवार ने किया पौधरोपण

सोनकच्छ। अखिल विश्व गायत्री परिवार शाखा सोनकच्छ द्वारा मां खेड़ा देवी मंदिर परिसर, खेरिया जागीर में ऊर्जा फाउंडेशन के सौजन्य से पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान परिसर में छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में गायत्री परिवार के सौभाग सिंह ठाकुर, रमेशचंद्र मेहता, सतीशचंद्र तिवारी, शिवनारायण शर्मा, अभिषेक शर्मा, शिवप्रकाश गुप्ता, अनोखीलाल मालवीय, मुरलीधर झाला, विनोद सिंह गोड़, अरविंद मेहता एवं अजय कसेरा सहित मंदिर समिति के मोहन योगी,बृजपाल सिंह, रोहित पांचाल, गोपाल सिंह सहित अनेक परिजन उपस्थित रहे।इस अवसर पर गायत्री परिवार के संरक्षक सौभाग सिंह ठाकुर ने मंदिर परिसर के लिए दो छत पंखे देने की घोषणा भी की।

कांटाफोड़ थाना की कमान चौहान ने संभाली

कांटाफोड़। कांटाफोड़ थाना क्षेत्र को नए थाना प्रभारी के रूप में अनुभवी पुलिस अधिकारी के.सी. चौहान का नेतृत्व मिल गया है। उन्होंने विधिवत रूप से कांटाफोड़ थाना प्रभारी का पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखना, अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाना है।

एनएच-46 पर नहीं थम रहा मौत का सिलसिला आए दिन हो रही दुर्घटनाएं

लापरवाही: कई स्थानों पर सड़क जर्जर हालत में, जगह-जगह हो रहे बड़े-बड़े गड्ढे

स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ लगातार हो रहे हादसों को लेकर अब सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि आखिर जिम्मेदार कब जागेंगे।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बुधनी



राष्ट्रीय राजमार्ग-46 पर हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है, आए दिन होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में लोग असमय काल के गाल में समा रहे हैं। लेकिन लगातार हो रहे हादसों के बावजूद जिम्मेदार विभाग प्रभावी कदम उठाने को तैयार नजर नहीं आ रहे हैं। बुधवार सुबह मिडघाट क्षेत्र में एक बार फिर दर्दनाक हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई,जबकि उसके दो साथी घायल हो गए मिडघाट के नीचे रेत रॉयल्टी नाके के पास पीछे से आए तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी हादसे में प्रभु पिता बिजीलाल सियारे उम्र 22 वर्ष, निवासी कोठिया जिला बैतूल की मौके पर ही मौत हो गई जबकी बाइक पर सवार अशोक यादव और रामदास दरसिमा घायल हुए हैं हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

मिडघाट क्षेत्र में यह पहला हादसा नहीं है इससे पहले भी कुछ ही दूरी पर स्थानीय ग्रामीण कमलेश यादव की ट्रक की चपेट में आने से मौत हो चुकी है। लगातार एक के बाद एक हादसे सामने आने के बावजूद सड़क की बदहाली और यातायात सुरक्षा को लेकर ठोस कदम नहीं उठाए जाने से स्थानीय लोगों में नाराजगी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि एनएच-46 पर कई स्थानों पर सड़क जर्जर हालत में है और जगह-जगह बड़े गड्ढे हादसों को न्योता दे रहे हैं इसके अलावा हाईवे पर मवेशियों के बैठे रहने से भी वाहन चालकों के लिए खतरा बना रहता है।

तेज रफ्तार भारी वाहनों की आवाजाही इस खतरे को और बढ़ा देती है मेडिकल कॉलेज के सामने बने फ्लाईओवर की सड़क की स्थिति भी लंबे समय से खराब बताई जा रही है स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित विभाग को समस्या से अवगत कराया गया,लेकिन स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ लगातार हो रहे हादसों को लेकर अब सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि आखिर जिम्मेदार कब जागेंगे, क्या किसी बड़े हादसे के बाद ही सड़क की मरम्मत और सुरक्षा इंतजाम किए जाएंगे, स्थानीयनागरिकों का कहना है कि हादसा होने के बाद खानापूर्ति करने के बजाय दुर्घटना संभावित स्थानों को चिन्हित कर स्थायी समाधान किया जाना चाहिए।

रहवासियों ने एनएच-46 के जर्जर हिस्सों की तत्काल मरम्मत, गड्ढों को भरने, मवेशियों को हाईवे से हटाने, तेज रफ्तार भारी वाहनों पर नियंत्रण तथा दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम किए जाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि समय रहते जिम्मेदार नहीं जागे तो एनएच-46 पर हादसों और मौतों का यह सिलसिला यूं ही जारी रहेगा।

कांग्रेस सेवादल संस्थापक की मनाई 51 वीं पुण्यतिथि



हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष नरेन्द्र खंगराले जाटव दलित चिंतक द्वारा डॉ. नारायण शुब्बाराव हार्डिकर की 51 वी पूण्यतिथि पर अजा बहुल क्षेत्र वार्ड क्रं. 11 के डॉ.अम्बेडकर पार्क में पुष्पांजली एवं उनकी यादव में पौधरोपण का कार्यक्रम रखा गया। सर्वप्रथम अतिथिगणों द्वारा डॉ.नारायण शुब्बाराव हार्डिकर के चित्र पर केण्डल अगरवत्ती जलाकर पुश्पमालाऐं अर्पित की। उनकी याद में वृक्षा रोपण का भी कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजीव गुजराती द्वारा डॉ.हार्डिकर का देश के स्वतंत्रता आन्दोलन में खास योगदान बताया तथा वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजाराम बड़े भाई ने कहा कि वह कई बार भारत को आजाद कराने के लिये जैल में भी गये। सेवादल कांग्रेस राष्ट्रीय पदाधिकारी गणेश तिवारी ने कहा कि हार्डिकर जी ने सन 1923 में कांग्रेस सेवादल की स्थापना की थी। म.प्र.पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री प्रीतम दयाल चौरसिया ने बताया कि सन 1958 में उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्म भूषण की उपाधी से सम्मानित किया गया। इस अवसर प्रमुख रूप से नपा प्रतिपक्ष नेता विवेक राठौर, शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष घनयाम यादव, एनएसयूआई अध्यक्ष हरिओम सिसोदिया, जयंत शाह, निशांत वर्मा, अनीस कुरैशी, जितेन्द्र सिंह, भगवत सिंह सिलावट, पूर्व सरपंच नन्दकिशोर मालवीय, नारायण ताम्रकार, दीपक सोनकर, किशोरीलाल यादव, जयराम जाटव, हेमन्त भारती, संजीव ठाकुर, रामप्रसाद शुक्ला, भगत सिंह तोमर, पन्नालाल खंगराले, घनश्याम जाटव, साक्षी आरसे, निलीमा मालवीय, प्रियंका भारती, कंचन सोनी, प्रीति मालवीय, तानिया खंगराले, रेखा मीना, तमन्ना भारती, सोनी खंगराले, ज्योति राय, तनु भारती, पिंकी मेवाड़ा, मानसी मेवाड़ा आदि उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक मंच ने किया श्रद्धालुओं का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक भागवत भूषण परम पूज्य पंडित प्रदीप मिश्रा के सानिध्य में मंगलवार को सीहोर में भव्य कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया। कावड़ यात्रा में मध्यप्रदेश सहित देश-विदेश से हजारों की संख्या में शिवभक्त सीहोर पहुंचे और भगवान शिव की भक्ति में सराबोर नजर आए। नगर की धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय सीहोर सांस्कृतिक मंच द्वारा कावड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं का स्वागत एवं सम्मान किया गया। साथ ही मंच की ओर से श्रद्धालुओं के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था कर प्रसाद स्वरूप वितरण किया गया। इस अवसर पर मंच द्वारा अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा जी का भी सम्मान किया गया। मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि कावड़ यात्रा में देश के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालुओं का आगमन सीहोर की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को और मजबूत करता है। श्रद्धालुओं की सेवा एवं स्वागत करना संस्था के लिए सौभाग्य की बात है। कार्यक्रम में सीहोर सांस्कृतिक मंच के अध्यक्ष आशीष गुप्ता, समाजसेवी एवं संयोजक नरेंद्र गोस्वामी, देवेश अग्रवाल, चेतन राय, राकेश अग्रवाल, पवन गुप्ता, नितेश गुप्ता, कुंजीलाल परमार सहित बड़ी संख्या में संस्था के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

संत रविदास जयंती वर्ष पर भाजपा कार्यालय में सभी 25 मंडलों के लिए कलश वितरण किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



संत शिरोमणि रविदास जी महाराज के 650वें जयंती वर्ष के पावन उपलक्ष्य में जिला स्तरीय कलश वितरण कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ संत रविदास जी महाराज के चित्र एवं पवित्र कलशों का विधिवत पूजन-अर्चन और पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके उपरांत भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश मेवाड़ा एवं जिला प्रभारी विकास विरानी ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूज्य संत उद्धव दास जी महाराज एवं संत किशोर दास जी महाराज का पुष्पाहार पहनाकर तथा शॉल-श्रीफल भेंट कर आत्मीय स्वागत व अभिनंदन किया। समारोह को संबोधित करते हुए संत किशोर दास जी महाराज ने संत रविदास जी के जीवन और दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संत रविदास जी का संपूर्ण जीवन मानव कल्याण, सेवा और समरसता के लिए समर्पित रहा। उनके विचार और वाणी इतनी पावन व प्रासंगिक हैं कि सिखों के पवित्र ग्रंथ 'श्री गुरु ग्रंथ साहिब' में भी उनके 40 पद आदरपूर्वक संकलित किए गए हैं। संत उद्धव दास जी महाराज ने अपने आशीर्वचन में कहा कि संत रविदास जी स्वामी रामानंद जी के प्रमुख शिष्य थे और वैष्णव परंपरा के महान संत थे। उन्होंने 'जाति-पांत पूछे न कोई, हरि को भजे सो हरि का होई' के सिद्धांत को आत्मसात करते हुए समाज को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया। हम सभी को उनके दिखाए मार्ग और पदचिह्नों पर चलने का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान पूज्य संतों द्वारा जावर मंडल की टीम को विधिवत कलश सौंपकर वितरण का शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात जिलाध्यक्ष नरेश मेवाड़ा एवं जिला प्रभारी विकास विरानी सहित उपस्थित वरिष्ठ नेताओं द्वारा जिले के शेष सभी मंडलों को कलश वितरित किए गए। जिलाध्यक्ष नरेश मेवाड़ा ने अपने उद्बोधन में कहा कि संत रविदास जी की कलश यात्रा का मुख्य उद्देश्य समाज में सामाजिक समरसता की भावना को सुदृढ़ करना है, ताकि सब मिलकर एक सशक्त, गौरवशाली और वैभवशाली राष्ट्र का निर्माण कर सकें। उन्होंने बताया कि 20 अगस्त से शुरू हुई यह यात्रा जन-जन तक संत रविदास जी के विचारों और संदेशों को पहुँचाने का माध्यम बनेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से इस यात्रा में आमजन की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। जिला प्रभारी विकास विरानी ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार एवं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की समरस समाज की संकल्पना के अनुरूप यह अभियान वर्ष 2027 तक निरंतर जारी रहेगा। आज सीहोर जिले के सभी 25 मंडलों के अध्यक्षों व टोलियों को कलश सौंपे गए हैं। हमारा लक्ष्य है कि यह पावन संदेश समाज के अंतिम छोर और हर वर्ग तक पहुँचे। कार्यक्रम की प्रस्तावना महामंत्री पंकज गुप्ता द्वारा रखी गई। इसके अलावा कार्यक्रम को वरिष्ठ नेता सन्नी महाजन द्वारा भी संबोधित किया गया। कलश समारोह में मुख्य रूप से संत उद्धव दास जी महाराज, संत किशोर दास जी महाराज, भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश मेवाड़ा, जिला प्रभारी विकास विरानी, जिला महामंत्री तारा कटारिया, महामंत्री पंकज गुप्ता, महामंत्री जितेंद्र गौड़, वरिष्ठ नेता सन्नी महाजन मंचासीन रहे। कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष एवं मंडल टोली के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जीवन कौशल के साथ विद्यार्थियों ने लिया एकता और अनुशासन का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैरूंदा



शासन द्वारा संचालित व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोपालपुर में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए 'स्व-प्रबंधन एवं जीवन कौशल' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ जीवन में आवश्यक व्यवहारिक कौशल, आत्मअनुशासन, सकारात्मक सोच और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम में अतिथि वक्ता बी.के. नेहा लखेरा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन भविष्य की मजबूत नींव तैयार करने का महत्वपूर्ण समय है। इस दौरान केवल शैक्षणिक ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि समय प्रबंधन, लक्ष्य निर्धारण, अनुशासन, सकारात्मक सोच और भावनात्मक संतुलन जैसे जीवन कौशलों को विकसित करना भी जरूरी है।उन्होंने स्व-प्रबंधन के महत्व को समझाते हुए कहा कि अपने विचारों, भावनाओं, समय और व्यवहार को सही दिशा में व्यवस्थित करना ही स्व-प्रबंधन है। स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर अनुशासित दिनचर्या के साथ आगे बढ़ने से सफलता की राह आसान होती है। विद्यार्थियों को बड़े लक्ष्यों को छोटे-छोटे चरणों में बांटकर निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया गया।व्याख्यान के दौरान भावनात्मक प्रबंधन, निर्णय लेने की क्षमता, आत्मविश्वास, जिम्मेदारी और स्वस्थ जीवनशैली जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। योग, प्राणायाम, आसन और मेडिटेशन के महत्व को बताते हुए कहा गया कि नियमित अभ्यास से शरीर को स्वस्थ रखने, एकाग्रता बढ़ाने और मानसिक शांति बनाए रखने में मदद मिलती है। विद्यार्थियों को मोबाइल एवं डिजिटल साधनों का संतुलित उपयोग करने तथा समय का सदुपयोग करने की सलाह दी गई।एकता का लिया संकल्पइसी क्रम में विद्यार्थियों को ब्रह्माकुमारीज़ के युवा प्रभाग द्वारा चलाए जा रहे 'एक हैं हम... युवा संकल्प अभियान' की जानकारी दी गई। अभियान के माध्यम से एकता, सामाजिक सद्भाव, माता-पिता एवं वरिष्ठजनों के सम्मान, सकारात्मक सोच और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया गया।

कार्यशाला सह प्रशिक्षण का किया आयोजन

सीहोर। नगर परिषद सभाकक्ष, रेहटी, जिला सीहोर में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद और नर्मदा समग्र के संयुक्त तत्वावधान में रेवा सेवा समागम नर्मदा संवाद की जिला स्तरीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यशाला में डॉ. वीरेन्द्र कुमार व्यास निदेशक सेल, पारुल उपाध्याय उपस्थित थे।

घायल किसान को हाथ ठेले पर लेकर परिजन ने ऊर्जा मंत्री से लगाई न्याय के लिए गुहार



हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

विद्युत लाइन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हुए ग्राम बड़वेली के किसान सतीश मेवाड़ा को न्याय दिलाने के लिए सीहोर जिले के करीब 25 गांवों के लगभग 500 किसान किसान एवं समाजसेवी एमएस मेवाड़ा के नेतृत्व में भोपाल पहुंचे।

सतीश मेवाड़ा के पिता प्रहलाद सिंह मेवाड़ा और दादाजी लक्ष्मण सिंह मेवाड़ा उन्हें अस्पताल से हाथ ठेले पर लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा ऊर्जा मंत्री पवन सिंह तोमर के निवास पर पहुंचे और न्याय की मांग की।बताया गया कि खेत में कृषि कार्य करते समय झूलती 11 केवी विद्युत लाइन की चपेट में आने से सतीश मेवाड़ा गंभीर रूप से घायल हो गए थे। करंट के कारण उनका एक हाथ काटना पड़ा। वर्तमान में उनके हाथ में प्लास्टर, सिर पर पट्टी और पैरों में चोट के निशान हैं। परिवार के अनुसार उपचार में करीब 15 से 20 लाख रुपये खर्च हो चुके हैं और आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो गई है।किसानों का आरोप है कि विद्युत विभाग की लापरवाही के खिलाफ वे पिछले दो माह से धरना, प्रदर्शन और ज्ञापन के माध्यम से अधिकारियों से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक न्याय नहीं मिला। किसानों ने मांग की कि पीड़ित किसान को 25 लाख रुपये मुआवजा, विद्युत मंडल में सरकारी नौकरी तथा विद्युत अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए।किसानों ने बताया कि मामले को लेकर मुख्यमंत्री, प्रभारी मंत्री, ऊर्जा मंत्री, सीहोर कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक तथा विद्युत मंडल के अधिकारियों को कई बार ज्ञापन दिए जा चुके हैं। इसके बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर पीड़ित किसान को ठेले पर लेकर भोपाल पहुंचकर विरोध दर्ज कराना पड़ा।किसानों का कहना है कि विद्युत लाइन की लापरवाही की जांच में यदि विभाग दोषी सीहोर विद्युत मंडल के अधीक्षण यंत्री सीहोर विद्युत मंडल के कार्यपाली यंत्री श्यामपुर विद्युत मंडल के सहायक यंत्री बिजोरी खजुरिया बंगाल के अधिकारियों पर फिर मुकदमा कायम की जाने की मांग किसानों द्वारा की गई है क्योंकि जांच में विद्युत मंडल के लापरवाही दोषी पाए गए हैं किसानों ने महामहिम राज्यपाल महोदय के नाम का ज्ञापन प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव जी के नाम का ज्ञापन ऊर्जा मंत्री पवन सिंह तोमर जी के नाम का ज्ञापन सीहोर जिले की प्रभारी मंत्री कृष्णा गौर के नाम का ज्ञापन मानव अधिकार आयोग को महिला आयोग को एवं मुख्य सचिव प्रदेश शासन से मांग की।

जिला अस्पताल में अब आधुनिक मशीनों से होंगे कल्चर व सेंसिटिविटी टेस्ट

कलेक्टर ने किया माइक्रोबायोलॉजी लैब का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ देवास

आधुनिक मशीनों से जिला चिकित्सालय में ही जांच होने से मरीजों को शीघ्र उपचार मिल सकेगा



जिला चिकित्सालय देवास में मंगलवार को नई माइक्रोबायोलॉजी लैब का शुभारंभ कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने किया। लैब शुरू होने से अब विशेष रूप से छोटे बच्चों में होने वाले संक्रमण की जांच के लिए कल्चर टेस्ट की सुविधा जिला अस्पताल में ही उपलब्ध होगी।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजिनी जेम्स बेक ने बताया कि पूर्व में कल्चर टेस्ट की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण निजी लैब के माध्यम से जांच कराई जाती थी। इस पर रोगी कल्याण समिति से लगभग एक लाख रुपए व्यय किए जा रहे थे। अब आधुनिक मशीनों से जिला चिकित्सालय में ही जांच होने से मरीजों को शीघ्र उपचार मिल सकेगा। इस अवसर पर कलेक्टर सिंह ने कहा कि जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं और प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। नई लैब का लाभ अधिक से अधिक मरीजों तक पहुंचाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।सिविल सर्जन डॉ. आर.पी. परमार ने बताया कि इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैबोरेटरी के तहत पैथोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री जांचों को केंद्रीकृत किया गया है। नई माइक्रोबायोलॉजी लैब में कल्चर सेंसिटिविटी टेस्ट किए जा सकेंगे। आवश्यक उपकरण कलेक्टर के निर्देश पर रेडक्रॉस के माध्यम से उपलब्ध कराए गए हैं।कार्यक्रम के दौरान संयुक्त कलेक्टर एवं ओआईसी स्वास्थ्य अंशु जावला, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वंदना केसरी, नवनियुक्त सिविल सर्जन डॉ. एस.के. खरे, रेडक्रॉस सचिव डॉ. सुनील कुमार लाड सहित चिकित्सक एवं अस्पताल स्टाफ मौजूद रहा।

करोड़ों की लागत से बना नवीन भवन भी स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के अभाव में खा रहा धूल

सिविल अस्पताल में डॉक्टरों की मनमानी से क्षेत्र की जनता परेशान, 9 डॉक्टर में से 3 दे रहे 24 घंटे सेवा





अस्पताल में पदस्थ यह डॉक्टर छुट्टी पर

नाम	समयावधि
डॉ. चंचल दांगी	जनवरी 2026 से अवकाश पर हैं।
डॉ. कृष्णा अग्रवाल	मार्च 2026 से अवकाश पर हैं।
डॉ. अनु प्रेक्षा जैन	मात्र ज्वाइनिंग इसके बाद अवकाश पर चलीं गईं।
डॉ. प्रियंका नरवरिया	हाल ही में 45 दिन के अवकाश पर गईं।
डॉ. मनोज गुप्ता	यह राजगढ़ में पदस्थ बताए गए हैं।
डॉ. मनीष सूर्यवंसीष	-यह विगत तीन वर्षों से सिविल अस्पताल जीरापुर में पदस्थ होकर भी सारंगपुर अस्पताल में सेवाएं दे रहे।

हरिभूमि न्यूज ⏭ जीरापुर

स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर नगर में करोड़ों रुपए की लागत से 50 बिस्तरों का हांस्पिटल बनकर तैयार है लेकिन नवीन भवन में शिफ्ट नहीं होने से नवनिर्मित भवन शो-पीस बनकर धूल खा रहा है। हालांकि नवीन भवन शो-पीस होना स्वाभाविक है क्योंकि पुराने भवन में संचालित सिविल अस्पताल के यह हालात हैं कि जहां नौ डाक्टर पदस्थ हैं लेकिन मात्र तीन डाक्टरों के भरोसे स्वास्थ्य सुविधाएं संचालित हो रही हैं। जानकारी के मुताबिक नौ में से छह चिकित्सक लम्बे समय से अवकाश पर, ऐसे में सिविल अस्पताल में डॉक्टरों की कमी, स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्था पर सावलिया निशान लगा रही है। सिविल अस्पताल में नौ एमबीबीएस डॉक्टर पदस्थ होने के बावजूद वर्तमान में केवल तीन चिकित्सकों के भरोसे अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं चल रही।

9 डॉक्टरों में से सिर्फ तीन बजा रहे 24 घंटे ड्यूटी

बीएमओ डॉ. सुनील चौरसिया सहित डॉ. अभिषेक शर्मा और डॉ. कमल वर्मा द्वारा 24 घंटे ड्यूटी कर मरीजों को सेवाएं दे रहे हैं। वहीं छह चिकित्सकों के लंबे समय से अवकाश पर रहने से अस्पताल की व्यवस्थाओ में मरीजों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। सूत्रों के मुताबिक राजनीतिक संरक्षण के चलते सिविल अस्पताल के 6 डॉक्टरो ने लंबे समय से अवकाश लेकर सरकार द्वारा मिल रहे सैलरी में मौज कर रहे और अस्पताल में आने वाले पीड़तों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

क्षेत्र के प्रमुख स्वास्थ्य केन्द्र के यह हालात

सिविल अस्पताल क्षेत्र का एक मात्र बड़ा अस्पताल माना जाता है जिसमें नगर की बड़ी आबादी के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों के लिए भी प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र है। लगातार ड्यूटी के कारण चिकित्सकों पर भी अतिरिक्त कार्यभार पड़ने की स्थिति बन रही है। गजब की स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्था जिस पर शासन प्रशासन ही नहीं जनप्रतिनिधि भी मौन चुप्पी साधे हुए हैं। ऐसे में अस्पताल में आने वाले मरीजों का उपचार वर्तमान में मुख्य रूप से तीन डॉक्टरों के भरोसे चल रहा है।

ब्लॉक अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भी यह हालात

ब्लॉक के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति भी चिंताजनक बताई जा रही है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामगढ़ में डॉ. सिमरन ठाकुर 15 जुलाई से तथा डॉ. शुभम अग्रवाल मार्च से अवकाश पर बताए जा रहे हैं। वहीं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भगोरा में डॉ. जतिन शर्मा 15 जून से अवकाश पर हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी चिकित्सकों की अनुपस्थिति के कारण मरीजों को उपचार के लिए नगर के अस्पताल तक आना पड़ता है।

लंबे अवकाश और वैकल्पिक व्यवस्था पर सवाल

स्थानीय संवाददाता ने जब अस्पताल में ओपीडी की जानकारी ली तो पता चला प्रतिदिन लगभग 300 से अधिक मरीज अपने इलाज हेतु अस्पताल में पहुंचते हैं। शासन प्रशासन की स्वास्थ्य सेवाओं डॉक्टरों पूर्ति के डंके मात्र दिखावा साबित हो रहें हैं। जब इन चिकित्सकों के पद स्वीकृत होकर पदस्थ हैं, तो लंबे समय तक चिकित्सकों के अवकाश पर रहने की स्थिति में स्वास्थ्य विभाग द्वारा क्यों उचित कार्यवाही नहीं की जाती है क्यों खाना पूर्ति करके मरीजों के जीवन से खिलवाड़ किया जा रहा है। ऐसे में वैकल्पिक चिकित्सकों की व्यवस्था क्यों नहीं की जा रही है। वहीं यह भी सवाल है कि लंबे अवकाष स्वीकृत करने के दौरान मरीजों की स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारु बनाए रखने के लिए विभाग ने क्या वैकल्पिक व्यवस्था की।

इनका कहना है...

अस्पताल में 9 डॉक्टर पदस्थ हैं, उनमें से 6 ने अवकाश ले रखा है, इस संबंध में मेरे द्वारा उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। आगे उनके बारे में सीएमएचओ ही बता पाएंगे।

डॉ. सुनील चौरासिया,
ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर जीरापुर

- सिविल अस्पताल में डॉक्टर की कमी को देखते हुए मेरे द्वारा आयुक्त को पत्र लिखा जाएगा। डॉक्टरों की नई नियुक्ति भी होना है, जिसमें सिविल अस्पताल की पूर्ति की जाएगी और छुट्टी पर लंबे समय से चल रहे डॉक्टरों की जांच करवाता हूँ।

हजारीलाल दांगी,
विधायक विधानसभा क्षेत्र खिलचीपुर

मां बगलामुखी मंदिर पर बगैर अनुमति भीड़ इकट्ठा कर वाहनों को रोका गया

कमिश्नर के परिवार का भी था वाहन, पुलिस से की शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नलखेड़ा



नलखेड़ा में बुधवार को विश्व प्रसिद्ध सिद्धपीठ माँ बगलामुखी मंदिर पर बगैर अनुमति के भीड़ इकट्ठा कर प्रोटोकॉल पार्किंग में वाहन रोकने की घटना हुई। इस दौरान अधिकारियों को बंधक बनाने की धमकी भी दी गई। रोके गए वाहनों में से एक वाहन में उज्जैन कमिश्नर का परिवार भी बैठा हुआ था। काफी देर चले हंगामे के बाद पुलिस बल द्वारा भीड़ को हटाकर वाहनों को सुरक्षित निकाला गया। घटना के बाद एसपी भी मौके पर पहुंचे। घटना को लेकर मंदिर प्रशासन द्वारा पुलिस थाने पर शिकायती आवेदन दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह उज्जैन कमिश्नर का परिवार जिनमे उनकी पत्नी व बच्चें भी थे माँ बगलामुखी मंदिर पर दर्शन व हवन के लिए आये थे। इसी बीच कुछ पंडितों द्वारा अपनी कुछ मांगो को लेकर उनके वाहन का घेराव कर उन्हें रोकने का प्रयास किया गया । कमिश्नर का परिवार हवन दर्शन उपरांत जाने के लिए अपने वाहन में बैठा कि अचानक कुछ पंडित वाहन के सामने आ गए व कुछ वाहन के सामने लेट गए। मौके पर मौजूद डिप्टी कलेक्टर कमल मंडलोई व तहसीलदार प्रियंक श्रीवास्तव द्वारा उन्हें समझाने का प्रयास किया गया लेकिन वे नही माने एवं मौके पर बड़ा हंगामा खड़ा हो गया। घटना स्थल पर तत्काल एसडीओपी देवनारायण यादव व थाना प्रभारी शशि उपाध्याय सदलबल पहुंचे उसके बाद पुलिस की सख्ती के बाद पंडित वाहन के सामने से हटे। जिसके पश्चयात कमिश्नर के परिवार का वाहन सुरक्षित निकला। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी भी मौके पर पहुंचे। उक्त घटना को लेकर मंदिर प्रशासन द्वारा 10-12 नामजद पंडितों की शिकायत का आवेदन स्थानीय पुलिस थाने पर वैद्यानिक कार्यवाही हेतु दिया गया है। आवेदन में बताया गया कि मंदिर के अधिकारी व कर्मचारी अपने प्रशासनिक कार्य मे व्यस्त थे तभी लगभग 100 से अधिक पंडित प्रोटोकॉल पार्किंग में इकठ्ठा हो गए और बगैर किसी अनुमति के वाहनों को रोक दिया। भीड़ के द्वारा अधिकारियों को बंधक बनाए जाने एवं मंदिर में किसी को भी नही जाने की धमकी दी गई साथ ही गाड़ियों को फोड़ देने व मंदिर में तोड़ फोड़ करने को लेकर उकसाया गया। जिससे सभी अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ ही श्रद्धालुओ में भय व्याप्त हो गया। आवेदन में बगैर अनुमति भीड़ इकट्ठा कर वाहनों को रोकने एवं शासकीय कार्य मे बाधा उत्पन्न करने पर संबंधितों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की गई है।वहीं इस मामले में तहसीलदार प्रियंक श्रीवास्तव का कहना है कि, बुधवार को बगैर अनुमति के भीड़ इकट्ठा कर वाहनों को रोका गया एवं अधिकारियों कर्मचारियों को बंधक बनाने की धमकी दी गई। घटना के बाद संबंधितों के खिलाफ पुलिस थाने पर शासकीय कार्य मे बाधा पहुंचाने को लेकर शिकायती आवेदन दिया गया है।

कांग्रेस सेवादल ने हार्डिकरजी की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि की अर्पित

हरिभूमि न्यूज ⏭ मन्दसौर



कांग्रेस सेवादल द्वारा 26 अगस्त, बुधवार को कांग्रेस सेवादल के संस्थापक नारायण सुब्बाराव हार्डिकर की 51वीं पुण्यतिथि पर कांग्रेस सेवादल मंदसौर द्वारा श्रद्धासुमन अर्पित कर आजादी के आंदोलन में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर उनको याद किया गया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेन्द्रसिंह गुर्जर, विधायक विपिन जैन, पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटील ने संबोधित करते हुए आजादी में उनके योगदान को याद किया। इस अवसर पर कांग्रेस सेवादल के जिलाध्यक्ष दिलीप देवड़ा ने बोलते हुए कहा कि सन 1923 में हार्डिकरजी ने कांग्रेस सेवादल की स्थापना की। उनके महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए 1952 में उनको राज्यसभा का सदस्य मनोनीत किया गया था।

आजादी में महत्वपूर्ण योगदान के लिये उन्हें 1958 में पद्मभूषण से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए सोमिल नाहटा, मनजीतसिंह मनी, हनीफ शेख, ब्लॉक अध्यक्ष इष्टा भाचावत, महिला जिलाध्यक्ष राखी सत्रावाला ने भी हार्डिकर के जीवन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर अनेक कांग्रेसजन उपस्थित थे। जिसमें वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहनपुरी गोस्वामी, सलामुद्दीन मंसूरी, विजय सिसोदिया, प्रदीप बड़ोलिया, मनोहर नाहटा, जाहिर पठान, आदित्य पाटील, राजेन्द्र सेठिया, लाला सोनी, राजनारायण लाड़, विश्वास दुबे, दशरथ राठौर, दशरथ शर्मा, दिनेश जेठानिया, वकार खान, सादिक गौरी, साबिर इलेक्ट्रीशियन, अकरम खान, खलील खान, आमिन खान, ओमप्रकाश माथुर, कन्हैयालाल कुमावत, रवि बैरागी, सलीम शेख, भेरूलाल कुमावत, महिला नेत्रियों में अनिता भदोरिया, सुनीता बंडी, वर्षा दोहसरिया, वर्षा सांखला, शीतल चौहान सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित थे। संचालन ब्लॉक कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष राकेश सेन सम्राट ने किया एवं आभार महिला सेवादल विंग जिलाध्यक्ष योगिता बैरागी ने माना।

सैनिक स्कूल मंदसौर के कैडेट्स ने वीर सैनिकों के लिए प्रेषित की राखी एवं शुभकामना संदेश

मंदसौर। सैनिक स्कूल मंदसौर के कैडेट्स द्वारा देश की सीमाओं पर तैनात वीर सैनिकों के प्रति सम्मान, स्नेह एवं कृतज्ञता व्यक्त करते हुए रक्षाबंधन के पावन अवसर पर राखियाँ एवं शुभकामना संदेश (ग्रीटिंग कार्ड) प्रेषित किए गए। कैडेट्स ने अपने संदेशों के माध्यम से भारतीय सेना के वीर जवानों को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं तथा राष्ट्र की सुरक्षा के लिए उनके त्याग, साहस, समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा के प्रति आभार व्यक्त किया। इस पहल के माध्यम से कैडेट्स ने यह संदेश दिया कि देश की रक्षा में सदैव तत्पर रहने वाले हमारे वीर सैनिकों के प्रति पूरा राष्ट्र सम्मान और कृतज्ञता का भाव रखता है।यह सराहनीय पहल कैडेट्स में राष्ट्रप्रेम, देशभक्ति एवं भारतीय सेना के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक प्रेरणादायी प्रयास है।

भगवान श्री झूलेलाल चालिहा साहेब के 40वें कार्यक्रम का भव्य समापन





हरिभूमि न्यूज ⏭ मन्दसौर

सिंधी समाज के इष्टदेव भगवान श्री झूलेलाल जी के 40 दिवसीय चालीहा साहेब कार्यक्रम का इस वर्ष श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक एकता के साथ भव्य समापन हुआ। वरुणदेव मंदिर में जीर्णोद्धार एवं सीढ़ियों से संबंधित कार्य चलने के कारण इस वर्ष भगवान श्री झूलेलाल जी के चालीहा साहेब के कार्यक्रम नई आबादी स्थित गुरुद्वारा एवं सिंधु आराधना मंदिर में आयोजित किए गए। पूरे 40 दिनों तक भजन-कीर्तन, आरती एवं धार्मिक आयोजनों में समाज के श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विशेष रूप से समाज की माता-बहनों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की।

इस वर्ष पहली बार पूज्य सिंधी जनरल पंचायत के नेतृत्व में चालीहा साहेब के दौरान भंडारों का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के सभी वर्गों ने मिल-जुलकर सहभागिता की। इससे समाज में सेवा, सद्भाव और एकता का सुंदर संदेश गया।

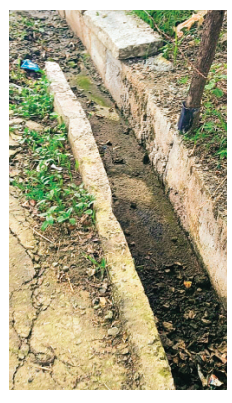
24 अगस्त 2026 को 40 दिवसीय चालीहा साहेब का धार्मिक कार्यक्रम पूर्ण हुआ। इसके पश्चात 25 अगस्त 2026, मंगलवार को भगवान श्री झूलेलाल जी की जल-ज्योति एवं व्रत रखने वाली माता-बहनों द्वारा अपने घड़ी विसर्जित करने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। पूज्य सिंधी जनरल पंचायत के अध्यक्ष वासुदेव सेवानी के नेतृत्व में समाजजनों ने भव्य चल समारोह निकाला। डीजे एवं धार्मिक जयघोष के साथ श्रद्धालु भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर पहुंचे, जहां जल-ज्योति की विधिवत पूजा-अर्चना कर चालीहा साहेब का समापन किया गया। इसके पश्चात झूलेलाल सिंधु महल में आम भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजनों ने प्रसादी ग्रहण की।

पूरे आयोजन में समाज की एकजुटता, धार्मिक आस्था और सेवा भावना देखने को मिली। चालीहा साहेब के सफल आयोजन के लिए पूज्य सिंधी जनरल पंचायत के दृष्टानंद नैनवानी, समाज के अध्यक्ष श्री वासुदेव सेवानी, नंदू आडवाणी, राजेश चाहूजा, गिरीश भगतानी, विजय कोठारी,जय सेवानी, रमेश लवाणी, प्रीतम खेमानी, देवीदास हरवानी, दुर्गेश बेलानी, कुंदन मामा,लाला ककनानी, कैलाश मनवानी, अनिल सेवानी, दिनेश चंदवानी, प्रदीप सतीदासानी, सुरेश पुरुस्वानी, मुरली पारवानी, गोपाल पारवानी, चंद्र प्रकाश आडवाणी, देवीदास सेवानी,पुनम माखीजा, लक्ष्मण रायमालानी,ज्योति ककनानी, चंदा कोठारी,दुर्गा (जापानी)भावनानी आदि सहित समाज के सभी पदाधिकारियों, माता-बहनों, युवाओं एवं समाजजनों की उपस्थिति रही।

तीन महीने में ही दरारों में तब्दील हुई 15 लाख की सीसी सड़क, नाली निर्माण भी अधूरा

सारंगपुर। जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत बरखेड़ा खुर्रम के अंतर्गत खंजरपुर गांव में मुख्यमंत्री अधोसंरचना मद से करीब 15 लाख रुपए की लागत से मई माह में बनाई गई सीमेंट कांक्रीट (सीसी) सड़क महज तीन महीने में ही जगह-जगह क्षतिग्रस्त होने लगी है। सड़क पर कई स्थानों पर दरारें पड़ गई हैं, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीण अनिल राठौर और महेश राठौर ने आरोप लगाया कि सड़क निर्माण से पहले निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पर्याप्त मुरम डालकर उसकी दबाई नहीं की गई।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क में करीब दो से तीन इंच तक ही सामग्री का उपयोग किया गया, जिसके चलते सड़क मजबूत नहीं बन सकी। निर्माण के कुछ समय बाद ही सड़क पर जगह-जगह दरारें दिखाई देने लगीं। ग्रामीणों के अनुसार सीसी सड़क



के साथ नाली निर्माण का कार्य भी प्रस्तावित था, लेकिन एक तरफ नाली का निर्माण पूरा नहीं किया गया। वहीं, जहां नाली बनाई गई है, वहां भी कई स्थानों पर नाली टूट चुकी है। इससे बारिश के दौरान पानी की निकासी को लेकर परेशानी होने की आशंका है। ग्रामीणों ने सड़क एवं नाली निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कराने और तकनीकी अधिकारियों से मौके का निरीक्षण करवाने की मांग की है। उनका कहना है कि लाखों रुपए खर्च होने के बावजूद यदि सड़क कुछ ही महीनों में खराब होने लगे तो निर्माण की गुणवत्ता और जिम्मेदारी तय की जाना जरूरी है।

इनका कहना है...

नाली जहां बननी थी, वहीं उसका निर्माण किया गया है। अभी मूल्यांकन नहीं हुआ है। जितना काम किया गया है, उतने का ही मूल्यांकन होगा। बचा हुआ काम भी करवाया जाएगा।"

नरेंद्र कुमार पांडे, सचिव, ग्राम पंचायत बरखेड़ा खुर्रम इंजीनियर को भेजकर मौके पर दिखवा लेते हैं। यदि काम गुणवत्ताहीन पाया गया तो उसका मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

कृपाल पेरवाल, एसडीओ, आरईएस सारंगपुर

कयामपुर में ईद-ए-मिलादुन्नबी पर निकाला जुलूस, दी मुबारकबाद



हरिभूमि न्यूज ⏭ कयामपुर

ईद-ए-मिलादुन्नबी के मुबारक अवसर पर कयामपुर में हर्षोल्लास, अकीदत और भाईचारे के साथ भव्य जुलूस निकाला गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता कर एक-दूसरे को ईद-ए-मिलादुन्नबी की दिली मुबारकबाद दी। कयामपुर सीरत कमेटी के नेतृत्व में लगातार 12 दिनों तक रोजाना नमाज़-ए-ईशा के बाद मिलाद कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान श्रद्धालुओं को तबर्रुक भी वितरित किया गया। मिलादुन्नबी के अवसर पर जुलूस मुख्य मार्ग, सदर बाजार, बस स्टैंड, रानीखेड़ा एवं आंखरिया चौक से होते हुए ईदगाह-दरगाह मैदान पहुंचा, जहां जुलूस का समापन हुआ।

जुलूस में कयामपुर के बुजुर्गों, युवाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जुलूस के मार्ग में जगह-जगह मिठाई, चॉकलेट एवं शरबत वितरित किए गए। पूरे मार्ग पर अकीदत और उत्साह का माहौल बना रहा। आयोजन को सफल एवं व्यवस्थित बनाने में कयामपुर सीरत कमेटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आयोजकों ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में भाईचारा, अमन, मोहब्बत और एकता का संदेश देते हैं।

सीतामऊ में निकला भव्य जुलूस-ए-मिलाद

अकीदत के साथ मनाया जश्ने ईद-मिलादुन्नबी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीतामऊ/ मंदसौर

इस्लाम धर्म के पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के यौम-ए-पैदाइश(जन्मदिन) के मौके पर बुधवार को सीतामऊ नगर में जश्ने ईद-मिलादुन्नबी पूरी शानो-शौकत और अकीदत के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर में परंपरागत मार्ग से एक भव्य जुलूस-ए-मिलाद निकाला गया, जिसमें बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने बड़ी संख्या में शिरकत की।

सरकार की आमद मरहबा के नारों से गूंजा नगर

जुलूस की शुरुआत तालाब चौक से हुई, जो सदर बाजार, लोहारी चौक, आजाद चौक और रजवाड़ा चौक से होता हुआ नगर पंचायत प्रांगण पहुंचा और वापस तालाब चौक पर आकर संपन्न हुआ। नगर का कोना-कोना लब्बैक या रसूल अल्लाह और सरकार की आमद मरहबा के नारों से गूंज उठा। इस दौरान डीजे के इस्तेमाल से परहेज करते हुए रास्तेभर नात-ख्वानी और दरूदो-सलाम की गूंज से माहौल पूरी तरह रूहानी नजर आया।



बग्गी पर सवार रहे मुफ्ती साहब और अंजुमन सदर

जुलूस में युवा नाते-पाक पढ़ते हुए आगे बढ़ रहे थे, जिनके पीछे एक सुसज्जित बग्गी में मुफ्ती साहब और अंजुमन सदर शमशेर मौलाना सवार थे। उन्होंने रास्तेभर नगरवासियों का अभिवादन स्वीकार किया। नगर के मुख्य मार्गों से गुजरे जुलूस का विभिन्न स्थानों पर सामाजिक संस्थाओं और गणमान्य नागरिकों द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। जगह-जगह ठंडे पानी, शरबत और मिठाइयों के स्टॉल लगाए गए।

राजनीतिक व सामाजिक सहभागिता

लोहारी चौक पर जिला योजना समिति के सदस्य एवं पार्षद अनिल पांडे ने समाजजनों को बधाई दी। दाऊदी बोहरा जमात तथा भगौर गेट पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष की ओर से जुलूस पर पुष्पवर्षा की गई स्वागत करता में शहर कांग्रेस अध्यक्ष निर्मल फरक्या रमेश चंद्र मालवीया भेरुलाल राठौड़ पवन शर्मा धर्मेंद्र शर्मा के अलावा कई कांग्रेस के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे सभी ने मुफ्ती साहब व अंजुमन सदर के साथ जलसे का पुष्पमालाओं से स्वागत अभिनंदन किया गया।

अमन और भाई-चारे का परिचय दिया

तालाब चौक पर पहुंच कर जुलूस एक सभा में तब्दील हो गया। यहां बरेली से विशेष रूप से पधारे मुफ्ती साहब ने अपनी तकरीर में पैगंबर-ए-इस्लाम की सीरत पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने अमन, भाईचारे, आपसी मोहब्बत का पैगाम देते हुए मुल्क में सुकून और सलामती के लिए विशेष दुआ कराई। कार्यक्रम के अंत में नात-ए-पाक और दरूद-ओ-सलाम के बाद उपस्थित लोगों में तबर्रुक वितरित किया गया।

प्रशासन और नगर पालिका की मुस्तैदी

शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए एस डी एम, एस डी ओ पी, तहसीलदार, थाना प्रभारी और कस्बा पटवारी सहित तमाम प्रशासनिक अधिकारी लगातार क्षेत्र में भ्रमण करते रहे। वहीं, नगर पंचायत के सफाई कर्मचारी जुलूस मार्ग के साथ-साथ मुस्तैदी से साफ-सफाई में जुटे रहे। पूरा आयोजन शांति, अनुशासन और भाईचारे के माहौल में संपन्न हुआ।

खबर संक्षेप

महामंडल विधान का आयोजन आज से

आष्टा। नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन दिव्योदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र किला मंदिर में तीन दिवसीय श्री रक्षाबंधन महामंडल विधान का आयोजन 26, 27 एवं 28 अगस्त 2026 को मुनि संघ के सानिध्य में श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया जाएगा। तीनों दिन प्रातः 7 बजे से धार्मिक अनुष्ठानों की शुरुआत होगी। आयोजन के दौरान प्रतिदिन शांतिधारा, जिनाभिषेक, नित्य पूजन एवं श्री रक्षा बंधन महामंडल विधान पूजन किया जाएगा। इसके साथ ही मुनि संघ के मंगल दिव्य देशना का भी धर्मलाभ श्रद्धालुओं को प्राप्त होगा। विधान का आयोजन संगीत एवं भक्तिमय वातावरण में किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, यह आयोजन निर्ग्रंथ महामुनिराज अकलंकाचार्य आदि 700 मुनिराजों की रक्षा के महान पर्व श्री रक्षाबंधन पर्व के पुण्य अवसर पर आयोजित किया जा रहा है। इस पावन अवसर पर परम पूज्य मुनि श्री मुनि सागर जी महाराज, मुनि श्री अभेद सागर जी महाराज, मुनि श्री अगर्भ सागर जी महाराज एवं ऐलक श्री मंथन सागर जी महाराज के पावन सान्निध्य का लाभ श्रद्धालुओं को मिलेगा। आयोजन ब्रह्मचारिणी मंजुला दीदी के निर्देशन में संपन्न होगा। 26, 27 एवं 28 अगस्त को प्रतिदिन सुबह 7 बजे से शांतिधारा-जिनाभिषेक, नित्य पूजन एवं श्री रक्षा बंधन महामंडल विधान पूजन आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही मुनि संघ की मंगल दिव्य देशना होगी। आयोजकों ने सभी साधर्मी भाई-बहनों से अपील की है कि वे तीन दिवसीय विधान पूजन में सहभागी बनकर मुनिराजों के उपकारों के प्रति अर्घ्य समर्पित करें।

रक्षाबंधन पर सजा बाजार, रेशम की डोर में दिख रहा भाई-बहन का प्यार

फैंसी राखियों की बढ़ी मांग, भाइयों की पसंद के अनुसार खरीदारी कर रहीं बहनें

रक्षाबंधन नजदीक आने के साथ ही राखियों की खरीदारी के लिए बाजार में भीड़ बढ़ने लगी है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरूंदा



भाई-बहन के पवित्र प्रेम, स्नेह और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन 28 अगस्त को मनाया जाएगा। पर्व को लेकर भैरूंदा नगर सहित तहसील क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में बाजार सजकर तैयार हो गए हैं। मुख्य बाजार में राखियों की रंग-बिरंगी दुकानें आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। रक्षाबंधन नजदीक आने के साथ ही राखियों की खरीदारी के लिए बाजार में भीड़ बढ़ने लगी है। बहनें अपने भाइयों की पसंद के अनुसार राखियों की खरीदारी कर रही हैं। नगर के भारत माता चौक सहित प्रमुख बाजारों में 10 रुपए से लेकर 500 रुपए तक की राखियां उपलब्ध हैं। सामान्य परिवारों में 10 से 50 रुपए तक की राखियों की मांग अधिक है। वहीं 50 से 150 रुपए तक की फैंसी और डिजाइनर राखियां भी ग्राहकों को पसंद आ रही हैं। महंगी राखियों में विशेष डिजाइन, मोती, स्टोन और आकर्षक सजावट देखने को मिल रही है।

कार्टून, लाइट वाली राखियां बनीं आकर्षण

बच्चों के लिए इस बार कार्टून कैरेक्टर, रंगीन लाइट, मोती, चमकीले स्टोन और अलग-अलग डिजाइन वाली राखियां उपलब्ध हैं। छोटे भाइयों की पसंद को ध्यान में रखते हुए बहनें कार्टून वाली राखियों की खरीदारी कर रही हैं। कुछ राखियों में खिलौने जैसे डिजाइन भी देखने को मिल रहे हैं। वहीं युवाओं और बड़ों के लिए रेशम की डोर, मोती, स्टोन और पारंपरिक डिजाइन वाली राखियों की मांग बनी हुई है।

राखी के साथ उपहारों की भी खरीदारी

रक्षाबंधन को लेकर बाजार में केवल राखियों की ही बिक्री नहीं बढ़ी है, बल्कि मिठाई, चॉकलेट, गिफ्ट पैक और अन्य उपहार सामग्री की दुकानों पर भी ग्राहकों की आवाजाही बढ़ गई है। बहनें भाइयों के लिए राखी के साथ उनकी पसंद का उपहार भी खरीद रही हैं। वहीं भाई भी बहनों को रक्षाबंधन पर उपहार देने की तैयारी में जुटे हैं। राखी विक्रेताओं ने बताया कि 10 से 100 रुपए कीमत वाली राखियों की बिक्री सबसे अधिक हो रही है। इनमें रंगीन धागे, मोती, स्टोन, कार्टून और पारंपरिक डिजाइन की राखियां शामिल हैं। रक्षाबंधन नजदीक आने के साथ बिक्री में लगातार तेजी आ रही है।



कीमत से ज्यादा रिश्ते की मिठास

रक्षाबंधन केवल भाई की कलाई पर राखी बांधने का पर्व नहीं, बल्कि भाई-बहन के स्नेह, विश्वास और अपनत्व को मजबूत करने का अवसर भी है। बहनों का कहना है कि राखी की कीमत मायने नहीं रखती, बल्कि भाई की कलाई पर राखी बांधकर उसके साथ खुशियां साझा करना ही सबसे खास है। रेशम की डोर में बंधा यह रिश्ता हर वर्ष भाई-बहन के प्रेम को और मजबूत करता है। रक्षाबंधन को लेकर नगर के बाजार में बढ़ी भीड़ को देखते हुए थाना भैरूंदा पुलिस प्रशासन भी यातायात और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्क है। मुख्य बाजार क्षेत्रों में भीड़ को नियंत्रित करने और यातायात सुचारू रखने पर ध्यान दिया जा रहा है। पर्व को लेकर व्यापारियों में भी उत्साह है। नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक बहनें भाइयों के लिए राखियां और उपहार खरीदने में जुटी हैं। वहीं भाई भी बहनों को उपहार देने की तैयारी कर रहे हैं। रक्षाबंधन के पर्व ने बाजार में रौनक बढ़ा दी है और हर तरफ भाई-बहन के पवित्र रिश्ते की मिठास नजर आ रही है।

रक्षाबंधन पर नहीं रहेगा भद्रा का साया, बन रहा खास शुभ संयोग

पार्वती तट पर श्रावणी पर्व होगा सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन इस बार विशेष शुभ संयोगों के बीच मनाया जाएगा। ज्योतिषीय गणना के अनुसार 28 अगस्त, शुक्रवार को पड़ रहे रक्षाबंधन पर भद्रा का साया नहीं रहेगा। ऐसे में बहनों को भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधने के लिए पूरे दिन अनुकूल समय मिलेगा। खास बात यह है कि इस बार रक्षाबंधन के दिन भद्रा तिथि सूर्योदय से पहले ही समाप्त हो जाएगी। नगरपुरोहित पं मनीष पाठक ने बताया कि इस बार रक्षाबंधन से एक दिन पहले ही 27 को भद्रा लग कर समाप्त हो जाएगा।

सावन पूर्णिमा 27 अगस्त की सुबह 9 : 11 बजे शुरू होकर 28 अगस्त को सुबह 9: 50 मिनट तक रहेगी। उसके बाद प्रतिपदा तिथि शुरू हो जाएगी। हालांकि उदया तिथि के प्रभाव से 28 अगस्त को पूरे दिन पूर्णिमा तिथि ही मान्य रहेगी। पर्व उदया तिथि पर ही मनाया जाएगा। इसलिए 28 अगस्त को रक्षाबंधन मनाया जाएगा। साथ ही श्रवण पूजन व द्विज पुरुषों का श्रावणी पर्व भी इसी दिन संपन्न होगा। ज्योतिषाचार्य पं डॉ दीपेश पाठक के अनुसार इस वर्ष रक्षाबंधन शुक्रवार को पड़ रहा है। शुक्रवार को मां लक्ष्मी और शुक्र ग्रह से जुड़ा दिन माना जाता है। इसी दिन मां लक्ष्मी ने राजा बली को रक्षा सूत्र बांधकर भगवान श्रीविष्णु को राजा बलि के संकल्प से मुक्त कराया था इसके अलावा रक्षाबंधन के दिन चंद्रमा की पूर्ण कलाओं में स्थिति को भी पारिवारिक और भावनात्मक संबंधों के लिए शुभ माना जा रहा है। इन संयोगों के कारण इस बार का रक्षाबंधन विशेष फलदायी माना जा रहा है। ज्योतिष डॉ पाठक ने बताया कि रक्षाबंधन के दिन भद्रा काल को विशेष रूप से देखा जाता है। मान्यता के अनुसार भद्रा काल में राखी बांधने से परहेज किया जाता है। इस बार भद्रा सूर्योदय से पहले ही समाप्त हो जाएगी। इसलिए दिन में राखी बांधने में भद्रा का कोई व्यवधान नहीं रहेगा। पूर्णिमा पर लगने बाला यह चंद्र ग्रहण भारत में दृश्य नहीं होगा।

शास्त्रों का स्पष्ट विधान है कि जहां ग्रहण दिखाई नहीं देता, वहां उसका सूतक काल मान्य नहीं होता। इसलिए भारत में इसका कोई दोष या अशुभ प्रभाव नहीं पड़ेगा। इस लिए 28 अगस्त 2026 को रक्षा बंधन का पर्व किसी भी शुभ मुहूर्त में मनाया जा सकता है। मां पार्वती के पावन तट और नगर के प्राचीन शंकर मंदिर के परिसर में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी प्रातः 08.30 बजे से वेदों के रचयिता ऋषियों का स्मरण और तर्पण करते हुए और वेदों के अध्ययन और वैदिक जीवन जीने का संकल्प लेकर द्विज पुरुष पुराना जनेऊ उतारकर नया यज्ञोपवीत धारण करेंगे।

रक्षाबंधन, बलराम जयंती के साथ-साथ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर जिले भर में होंगे भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

राज्य शासन ने आगामी रक्षाबंधन, बलराम जयंती एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के प्रदेशभर में पर्वों को सामाजिक सहभागिता, सांस्कृतिक परंपराओं और जनभागीदारी के साथ भव्य रूप से मनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर बाला गुरु किन जिले के सभी संबंधित अधिकारियों को राज्य शासन के निर्देशानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जारी निर्देशानुसार रक्षाबंधन 28 अगस्त को सामाजिक रिश्तों से प्रकृति तक विस्तार करते हुए 'एक राखी-एक संकल्प' सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। स्कूलों में बच्चों को प्रकृति संरक्षण से जोड़ने के लिए कहानी, पेंटिंग एवं अन्य प्रतियोगिताएं भी होंगी। बलराम जयंती 2 सितंबर को बलराम कृषि महोत्सव की गतिविधियों को विस्तारित स्वरूप देते हुए कृषि आधारित पारंपरिक कलाओं, आधुनिक कृषि उपकरण, बीज एवं प्राकृतिक खेती पर केंद्रित प्रदर्शनियां और सह-संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी 4 सितंबर को भव्य स्तर पर मनाई जाएगी। स्कूलों में मटकी प्रतियोगिता, बांसुरी प्रतियोगिता, जीवन झांकी, श्रीकृष्ण प्रसंगों पर नाटिकाएं तथा छोटे बच्चों को बाल कृष्ण के स्वरूप में तैयार कर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सभी श्रीकृष्ण मंदिरों, मठों और देवालयों में विशेष श्रृंगार, स्वच्छता अभियान, मटकी सज्जा, मटकी फोड़, भजन-कीर्तन, झांकी और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। प्रदेश के लगभग 81 प्रमुख श्रीकृष्ण मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों पर भजन-कीर्तन और अन्य भक्तिमय कार्यक्रमों के लिए कलाकारों एवं सांस्कृतिक दलों की प्रस्तुतियां सुनिश्चित की जाएंगी। मुख्यमंत्री निवास पर भी 4 सितंबर को विशेष कार्यक्रम में भक्ति गायन, लोकनृत्य एवं मटकी फोड़ कार्यक्रम होगा तथा एक हजार से अधिक बच्चों को आमंत्रित किया जाएगा। 29 अगस्त से 4 सितंबर तक बच्चों के लिए विशेष पोषण एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित होंगे। प्रदेश के पर्यटन स्थलों पर भी श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए धार्मिक एवं सांस्कृतिक वातावरण तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। जेलों में भगवान श्रीकृष्ण पर केंद्रित कार्यक्रम, जनजातीय छात्रावासों में सांस्कृतिक गतिविधियां तथा गौशालाओं में साफ-सफाई, गोपूजन और स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी आयोजित किए जाएंगे।

व्यक्तित्व विकास और सॉफ्ट स्किल्स प्रशिक्षण शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरूंदा



शासकीय महाविद्यालय भैरूंदा में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना सत्र 2026-27 के अंतर्गत 36 दिवसीय व्यक्तित्व विकास एवं सॉफ्ट स्किल्स प्रशिक्षण का शुभारंभ मंगलवार को हुआ। प्रशिक्षण 25 अगस्त से 29 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को रोजगार एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवश्यक व्यावहारिक कौशल से दक्ष करना है।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.एस. मीणा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी दौर में केवल शैक्षणिक योग्यता ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि संचार कौशल, आत्मविश्वास, समय प्रबंधन और प्रभावी ढंग से अपनी बात रखने की क्षमता भी आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।प्रशिक्षण के लिए इंदौर की कौटिल्य एकेडमी के विशेषज्ञों को मेंटर बनाया गया है। चयनित सहायक प्राध्यापक अनुरोध पंवार विद्यार्थियों को संचार कौशल, आत्मविश्वास निर्माण और प्रतियोगी परीक्षाओं की रणनीति से संबंधित मार्गदर्शन देंगे। वहीं कौटिल्य एकेडमी के संचालक लक्ष्मीनारायण बकोरिया विद्यार्थियों के क्षमता निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास में सहयोग करेंगे।36 दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को साक्षात्कार तकनीक, समय प्रबंधन, सार्वजनिक भाषण, प्रभावी संचार, आत्मविश्वास निर्माण सहित विभिन्न रोजगारपरक कौशलों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और करियर संबंधी मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा।शुभारंभ अवसर पर महाविद्यालय के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के प्रभारी अक्षय पंवार ने सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया।

आरुष साहू ग्लोबल आइकॉन अवार्ड से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा



नगर के युवा आरुष साहू को नई दिल्ली में मिले इस सम्मान तथा उनकी उपलब्धि पर पूर्व नपाध्यक्ष तथा प्रभुप्रेमी संघ के संयोजक कैलाश परमार ने बधाई प्रेषित करते हुए कहा है कि प्रतिबद्धता और परिश्रम के साथ ही पारिवारिक संस्कार और पुण्योदय के बल पर आयुष ने नगर का नाम वैश्विक स्तर पर रोशन करके हम सभी को गौरवान्वित किया है । हमारे नगर में प्रतिभाएं भरी पड़ी हैं सही मार्गदर्शन और अनुकूल परिवेश में प्रतिभा निखरती है । आयुष की उपलब्धि हम सभी नगर वासियों को इस बात के लिए भी प्रेरित करती है कि हम प्रतिभा प्रोत्साहन के लिये नगर में प्रभावी मंच बनाएं । बताते चले कि युवा विकास, शिक्षा और सामाजिक सहभागिता के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने वाले आष्टा के आरुष साहू को यह सम्मान 22 अगस्त 2026 को नई दिल्ली के होटल हयात सेंट्रिक में आयोजित समारोह 'ग्लोबल आइकॉन अवार्ड 2026' प्रदान किया गया। आरुष साहू नगर के समाजसेवी साहू समाज आष्टा के अध्यक्ष राजकुमार साहू के पुत्र एवं गल्ला व्यवसाई जितेंद्र साहू के भतीजे हैं। उनकी इस उपलब्धि से उनके परिवार के साथ-साथ आष्टा और प्रदेश भर के समाज बंधुओं तथा मित्रजन में भी खुशी का माहौल है। नई दिल्ली के होटल हयात सेंट्रिक, जनकपुरी में आयोजित ग्लोबल आइकॉन अवार्ड 2026 समारोह में भारत और विदेशों से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद थे। समारोह में राजदूत डॉ.अमरेंद्र खटुआ, पूर्व सचिव विदेश मंत्रालय, एच.ई. सुश्री नदेस्का इमारा कथबर्ट कार्लसन, निकारागुआ की राजदूत, तथा काउंसलर एनरिक राफेल डेस्काल्जी मेंडेज, काउंसलर एवं सांस्कृतिक प्रमुख, पेरू दूतावास सहित कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। नगर के गणमान्य नागरिक गणों एवं प्रभु प्रेमी संघ के महासचिव प्रदीप प्रगति सकल समाज अध्यक्ष नरेंद्र कुशवाह पूर्व पार्षद शैलेश राठौर अभिभाषक गण सुरेंद्र सिंह परमार, संजय जैन किला, वीरेंद्र सिंह परमार पल्लव प्रगति विशाल सोलंकी ने आयुष साहू को बधाई दी है।

भोलेनाथ की शाही पालकी में शामिल हुए विधायक

आष्टा। श्रावण मास के अंतिम सोमवार को आष्टा में प्राचीन श्री गणेश मंदिर से भगवान बाबा भोलेनाथ की शाही पालकी,शाही ठाठ बाट से निकलीबाबा की पालकी पहले प्राचीन शंकर मन्दिर स्तिथ पार्वती नदी के तट पर पहुची जहाँ आरती एवं प्रसाद का वितरण हुआ,पार्वती नदी पर आयोजित महाआरती में विधायक गोपालसिंह इंजीनियर,धारासिंह पटेल,हिन्दू उत्सव समिति के अध्यक्ष भुरू मुकाती,सकल समाज अध्यक्ष नरेन्द्र कुशवाह सहित सभी नागरिक,भक्त शामिल हुए ।महाआरती के बाद शाही पालकी का शाही ठाठ बाट से भव्य शुभारम्भ अस्पताल चौराहे से हुआ जो बुधवारा,गल चौराहा,चार बत्ती चौक, गंज,होते हुए गणेश मंदिर पहुचा जहां महाआरती के बाद प्रसाद वितरण एवं समापन हुआ । बाबा भोलेनाथ की शाही पालकी में विधायक गोपालसिंह इंजीनियर,धारासिंह पटेल,राधेश्याम दलपति,शिव पाटीदार,रूपेश पटेल,सुशील संचेती, जितेन्द्र सोनी जयश्री ज्वेलर्स, विशाल चौरसिया,मोहित सोनी आदि उपस्थित थे।

जनसुनवाई में खिलाड़ी राधा को दी स्कूटी



हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

कुछ माह पूर्व मप्र दिव्यांग क्रिकेट टीम की कप्तान जो की आष्टा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम छायन कला तहसील जावर की रहने वाली है । इंदौर में रह कर नेहरू स्टेडियम में अपने निवास आनन्द नगर से जाने आने में काफी परेशानी का सामना कर के जाती-आती है,पिता और परिवार की आर्थिक स्तिथि इतनी ठीक नही होने के कारण स्कूटी ले सके । जब खिलाड़ी राधा बड़गुर्जर को आष्टा विधायक गोपालसिंह इंजीनियर की संवेदनशीलता एवं उनके कार्यालय में जनसुनवाई में समस्याओं के हल किये जाने की जानकारी लगी तब कुछ माह पूर्व क्रिकेटर राधा बड़गुर्जर ने आष्टा विधायक श्री गोपालसिंह इंजीनियर से भेंट कर अपने दिव्यांग होने के कारण क्रिकेट की प्रैक्टिस करने के लिये जाने आने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है,अपनी वैशाखीयो का ही सहारा होने,आदि की जानकारी दी एवं एक मांग पत्र सौपा जिसमे उन्होंने एक स्कूटी उपलब्ध कराने की मांग की । विधायक ने उस वक्त अपने क्षेत्र की उक्त दिव्यांग बेटी क्रिकेटर राधा बड़गुर्जर से वादा किया की वे उसे एक स्कूटी उपलब्ध करायेंगे। ओर जनसुनवाई में विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने दिव्यांग क्रिकेटर बेटी राधा बड़गुर्जर को आमंत्रित किया और आज जनसुनवाई में आये क्षेत्र के सभी आशीर्वाददाताओ की उपस्तिथी में दिव्यांग बेटी का स्वागत,सम्मान कर विधायक इंजीनियर ने बेटी से किया वादा निभाया ओर बेटी को स्कूटी की चाबी भेंट कर बेटी को खुशी खुशी स्कूटी के साथ रवाना किया। दिव्यांग क्रिकेटर बेटी ने आज जब अपना वो सपना जो अपने परिवार की आर्थिक स्तिथि के कारण पूरा नही होने का मानस बना लिया था,उस सपने को अपने सामने स्कूटी के रूप में पूरा होते देख चेहरे पर अपार खुशी दिखी। स्कूटी की चाबी पा कर खुशी से लबरेज बेटी ने आष्टा विधायक गोपालसिंह इंजीनियर का दिल से आभार व्यक्त करते हुए उसका सपना पूरा करने पर धन्यवाद दिया। स्मरण रहे दिव्यांग बेटी राधा बड़गुर्जर जो की इंदौर में रह कर क्रिकेट की प्रेक्टिश करती है तथा जाने आने में जो परेशानी होती थी वो अब खत्म हो जायेगी।

जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर नगर में निकला भव्य जुलूस, आपसी भाईचारे का दिया संदेश

प्रमुख मार्गों से निकला जुलूस; जगह-जगह हुआ स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरूंदा

जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर बुधवार को भैरूंदा नगर में मुस्लिम समाज द्वारा शान-ओ-शौकत, अदब और एहतराम के साथ भव्य जुलूस निकाला गया। प्रशासन और पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच निकले जुलूस में बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों सहित बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। जुलूस के दौरान दरूद-ओ-सलाम और 'मरहबा या मुस्तफा' की सदाओं से नगर का माहौल खुशनुमा हो गया। समाजजनों ने देश और क्षेत्र में अमन-चैन, खुशहाली, शांति और आपसी भाईचारे की दुआ मांगी।

जुलूस का आगाज दोपहर करीब 2 बजे खजूर वाले मैदान से हुआ। जुलूस आजाद मार्केट से होते हुए रॉयल मार्केट, जेपी मार्केट, दुर्गा मंदिर चौराहा, बस स्टैंड और सीहोर रोड सहित नगर के प्रमुख मार्गों से निकला। करीब तीन घंटे तक जुलूस नगर के विभिन्न हिस्सों से होकर गुजरा और वापस खजूर वाले मैदान पहुंचकर समापन हुआ। जुलूस के मार्ग में बड़ी संख्या में नगरवासी मौजूद रहे। कई स्थानों पर लोगों ने जुलूस का स्वागत कर सामाजिक सौहार्द की मिसाल पेश की।



अखाड़ों में युवाओं ने दिखाए करतब

जुलूस में घोड़े, बैंड-बाजे और विभिन्न अखाड़ों की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। अखाड़ों के उस्तादों और कलाकारों ने पारंपरिक करतब प्रस्तुत किए। युवाओं और बच्चों के प्रदर्शन को देखने के लिए मार्ग के दोनों ओर लोगों की भीड़ जमा रही। बैंड की धुनों और धार्मिक सदाओं के बीच जुलूस में शामिल समाजजनों में उत्साह और उमंग नजर आई।

जगह-जगह किया गया स्वागत

जुलूस का नगर में विभिन्न स्थानों पर सामाजिक सद्भाव के साथ स्वागत किया गया। रॉयल मार्केट में फूलों से जुलूस का इस्तकबाल किया गया। दुर्गा मंदिर चौराहे पर सर्वहारा कॉलोनी के युवाओं ने जुलूस में शामिल लोगों को शरबत पिलाया। समाज के वरिष्ठजनों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी स्वागत किया। अदालत के सामने मध्यप्रदेश किसान संगठन की ओर से गुलाब के फूलों की बारिश कर जुलूस का खैरमकदम किया गया। नगर परिषद अध्यक्ष मारुति शिशिर,अधिकारी-कर्मचारियों और नगरवासियों ने भी फूल बरसाकर जुलूस का स्वागत किया।

सुरक्षा व्यवस्था रही चाक-चौबंद

जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन और पुलिस ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की थी। एसडीएम सुधीर कुशवाह, एसडीओपी रोशन कुमार जैन, तहसीलदार सौरभ शर्मा, नायब तहसीलदार रामदास गोरले और थाना प्रभारी घनश्याम दांगी सहित राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और पुलिस बल तैनात रहा। अधिकारियों ने जुलूस मार्ग की लगातार निगरानी की और यातायात व्यवस्था को भी संभाला। जुलूस शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। आयोजन के माध्यम से नगर में एकता, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया गया।